



जोशीमठ में भू-अवतलन

॥



# जोशीमठ में

## भू-अवतलन

हालिया उपग्रह छवियों से यह ज्ञात हुआ है कि जोशीमठ में केवल 12 दिनों ( 27 दिसंबर, 2022 और 8 जनवरी, 2023 के बीच ) के दौरान 5.4 सेमी की तेजी से भू-धाँसाव देखा गया है।

### भू-अवतलन (Land Subsidence)

- ① अवतलन का तात्पर्य भूमिगत पदार्थों के संचलन के कारण भूमि के धाँसने से है।
- ② कारण: ( मानव जनित + प्राकृतिक ) पानी/तेल/प्राकृतिक संसाधनों का अपनयन ( removal ), खनन गतिविधियाँ, भूकंप, मृदा अपरदन, मिट्टी का संघनन, सिंकहोल का निर्माण आदि।

एम.सी. मिश्रा समिति की रिपोर्ट ( 1976 ) ने पहले से ही संवेदनशील इस क्षेत्र में अनियोजित विकास की ओर इशारा करते हुए जोशीमठ के बारे में सर्वप्रथम चेतावनी दी थी।

### जोशीमठ

#### के बारे में

- ① ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग ( NH-7 ) ( उत्तराखण्ड ) पर स्थित
- ② भूकंपीय क्षेत्र-V के अंतर्गत आता है

#### सामरिक महत्व

- ③ भारतीय सेना की सबसे महत्वपूर्ण छावनियों में से एक

#### धार्मिक महत्व

- ④ बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब की यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिये प्रमुख पारगमन बिंदु ( transit point )
- ⑤ आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित 4 प्रमुख मठों में से एक का स्थान

#### धाँसाव के संभावित कारण

- ⑥ जोशीमठ प्राचीन भूस्खलन सामग्री पर बना है न कि मुख्य चट्टान पर एक भौगोलिक ध्रेंश का पुनः सक्रिय होना ( किन्हीं दो चट्टानों/शैलों के बीच उत्पन्न दरार या विभंग )
- ⑦ अनियोजित निर्माण
- ⑧ प्राकृतिक जल प्रवाह में बाधा
- ⑨ जलविद्युत गतिविधियाँ

#### विशेषज्ञों की राय:

- ⑩ क्षेत्र में विकास एवं जलविद्युत परियोजनाओं को पूर्ण रूप से बंद किया जाए
- ⑪ जल निकासी योजना का पुनर्विकास
- ⑫ बेहतर समन्वय- सरकार-नागरिक निकाय - सीमा सङ्गठन
- ⑬ निवासियों का सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण
- ⑭ मिट्टी की क्षमता को बनाए रखने में मदद के लिये पुनः वनीकरण



PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/land-subsidence-in-joshimath-1>

